दिल्ली, उ0प्र0, हरियाणा, पंजाब, गुजरात एवं राजस्थान में प्रसारित।

गुरुकृपा दर्पण

UTTHIN/2022/85670

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

डाक सं० UA/DO/DON/02/2024-2026

वर्ष : 04 अंक : 39 हरिद्वार शनिवार, 18 अक्टूबर, 2025 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 4

श्रमिकों के सम्मान और कल्याण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि राज्य के सभी मनरेगा श्रमिकों को शीघ्रतापूर्वक भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अंतर्गत आच्छादित किया जाए। उन्होंने कहा कि यह कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाए और इसमें किसी प्रकार की शिथिलता या विलंब स्वीकार्य नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अगले तीन महीनों के भीतर कम से कम 5 से 6 लाख श्रमिकों को बोर्ड के अंतर्गत पंजीकृत किया जाए। उन्होंने कहा कि श्रमवीरों के कल्याण के लिए संचालित योजनाएँ तभी प्रभावी सिद्ध होंगी जब अधिकतम श्रमिक इन योजनाओं से सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे।मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि श्रम विभाग एवं बोर्ड के अधिकारियों का यह दायित्व है कि वे प्रत्येक श्रमिक तक पहुँच बनाएं और उन्हें सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं एवं सुविधाओं की पूरी जानकारी प्रदान करें। उन्होंने कहा कि कई बार जानकारी के अभाव में पात्र श्रमिक योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते हैं, जो किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट किया कि श्रमिकों के कल्याण से जुड़ी किसी भी योजना में लापरवाही या ढिलाई नहीं की जानी चाहिए। सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि योजनाओं की जानकारी पंचायत स्तर तक पहुँचाई जाए और श्रमिकों के पंजीकरण की प्रक्रिया को अभियान रूप में चलाया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार श्रमवीरों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए संकल्पबद्ध है। श्रमिकों की मेहनत और समर्पण ही राज्य की प्रगति की वास्तविक नींव है, और ऐसे में सरकार का दायित्व है कि उन्हें हर संभव सुरक्षा, सुविधा और सम्मान प्रदान किया जाए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा – राज्य का विकास हमारे श्रमिक भाइयों-बहनों के परिश्रम पर आधारित है। उनके कल्याण में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। सभी मनरेगा श्रमिकों को कल्याण बोर्ड के अंतर्गत लाना हमारा लक्ष्य ही नहीं, यह सरकार की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में कैंप कार्यालय मुख्यमंत्री आवास में उत्तराखण्ड भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड (चन्नष्टड्डक्) की बैठक आयोजित हुई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बोर्ड में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों एवं उनके आश्रितों के कल्याणार्थ ऑनलाइन पोर्टल एवं डीबीटी (Direct Benefit Transfer) के माध्यम से लगभग 10,000 श्रमिकों एवं उनके परिजनों को कुल 11 करोड़ 50 लाख की आर्थिक सहायता राशि हस्तांतरित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल धनराशि हस्तांतरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारे परिश्रमी श्रमवीरों के प्रति सम्मान एवं आभार प्रकट करने का एक अवसर है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निरंतर प्रयास कर रही है कि श्रमिकों एवं उनके परिवारों को शिक्षा, स्वास्थ्य, विवाह सहायता, मृत्यु उपरांत सहायता जैसी योजनाओं का सीधा लाभ समयबद्ध और पारदर्शी रूप से प्राप्त हो सके। सीएम ने कहा कि हमारे श्रमिक भाई-बहन राज्य की विकास यात्रा के सच्चे साथी हैं। उनके परिश्रम, त्याग और निष्ठा से ही उत्तराखण्ड का निर्माण संभव हुआ है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि प्रत्येक श्रमिक परिवार को उनकी मेहनत का पूरा सम्मान मिले और उनके बच्चों को एक बेहतर भविष्य प्रदान किया जा सके। उन्होंने कहा कि बोर्ड द्वारा संचालित सभी योजनाओं को अब डिजिटल माध्यमों से जोड़ा जा रहा है ताकि पात्र लाभार्थियों तक सहायता शीघ्रता से पहुँच सके। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे समय-समय पर श्रमिकों एवं उनके आश्रितों तक बोर्ड की सभी योजनाओं की जानकारी पहुँचाएँ। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी का दायित्व है कि वह श्रमिकों के बीच जाकर उन्हें नई योजनाओं के प्रति जागरूक करें और उन्हें आवेदन एवं लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया में सहयोग दें।

नैनीताल और कुमाऊं में 21 अक्तूबर को मनाई जाएगी दीवाली

नैनीताल। इस साल पूरे देश में जहां 20 अक्तूबर को दीपावली का पर्व मनाया जाएगा, वहीं उत्तराखंड के कुमाऊं में दीपोत्सव एक दिन बाद यानी 21 अक्तूबर को धूमधाम से मनाया जाएगा। पर्वतीय परंपराओं और स्थानीय पंचांगों के अनुसार कुमाऊं में कई त्योहर मैदानों की तुलना में एक दिन बाद मनाने की परंपरा है। इस अंतर का कारण केवल धार्मिक ही नहीं बल्कि खगोलीय और भौगोलिक गणना से भी जुड़ा हुआ है।ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, कुमाऊं में रामदत्त पंचांग का अनुसरण किया जाता है जो 'निरयण प्रणाली पर आधारित है। जबकि देश के अधिकांश हिस्सों में 'सयण प्रणाली पर आधारित बनारस पंचांग चलता है। इन दोनों प्रणालियों में चंद्र दर्शन और सूर्योदय के समय में फर्क होने के कारण पर्वों की तिथियों में एक दिन का अंतर आ जाता है। इसी कारण पहाड़ों में लोग अगले दिन यानी 21 अक्तूबर को मां लक्ष्मी का पूजन करेंगे। पंडित प्रकाश जोशी ने बताया कि इस बार 21 अक्तूबर मंगलवार को ही महालक्ष्मी पूजन और दीपावली मनाना शास्त्रसम्मत है। उन्होंने बताया कि इस दिन अमावस्या तिथि शाम 5.55 बजे तक रहेगी और चित्रा नक्षत्र रात्रि 10.59 बजे तक रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह दिन लक्ष्मी पूजन के लिए सबसे उपयुक्त है क्योंकि इस दिन प्रदोष काल शाम 5.35 से 8.14 बजे तक रहेगा जो पूजन का श्रेष्ठ समय माना गया है। आचार्य जोशी ने बताया कि निर्णयसिन्धु ग्रंथ के अनुसार, यदि दो दिन अमावस्या प्रदोष व्यापिनी हो तो दूसरे दिन दीपावली मनाना श्रेष्ठ माना जाता है। यही कारण है कि पूरे उत्तराखंड में दीपोत्सव 21 अक्तूबर को मनाया जाएगा, जबकि देश के अन्य भागों में 20 अक्तूबर को दीपावली मनाई जाएगी। 20 अक्तूबर को छोटी दीपावली का पर्व मनाया जाएगा।

गुरुकृपा दर्पण
(राष्ट्रीय समाचार पत्र) को आवश्यकता है उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों के लिए ब्यूरो चीफ, कैमरा मैन, संवाददाताओं की।
सम्पर्क करें –
9410731129, 9548880101

पर्यटन की सभी विधाओं पर तेज गति से हो रहा है काम : महाराज

देहरादून। पर्यटन क्षेत्र भारत के आर्थिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान देता है, क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देता है और देश के सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान देने की क्षमता रखता है। हमारा प्रयास है कि देवभूमि उत्तराखंड को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान मिले तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और आजीविका के अवसर बढ़े। उक्त बात प्रदेश के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने उदयपुर में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मंगलवार से शुरू हुए दो दिवसीय 'राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के पर्यटन मंत्रियों के सम्मेलन' में सहभागिता करते हुए कही। उन्होंने उत्तराखंड की समृद्ध आध्यात्मिक और प्राकृतिक धरोहर को राष्ट्रीय मंच पर साझा करने के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि देश के पर्यटन क्षेत्र को और गति देने के लिए जहां एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार नए-नए पर्यटन गंतव्यों को विकसित करने में लगे हैं वहीं दूसरी ओर उत्तराखंड में भी प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में पर्यटन की सभी विधाओं पर निरंतर तेज गति से काम हो रहा है। पर्यटन मंत्री महाराज ने कहा कि उत्तराखण्ड पर्यटन अब जल, थल और आकाश तीनों क्षेत्रों में नये-नये कार्यक्रम लेकर आगे बढ रहा है। उत्तराखण्ड में Land Adventure के क्रम में हाई अल्टीट्यूड मैराथन का आयोजन किया जा रहा है, जो पवित्र आदि कैलाश (4700 मी.) की ऊँचाई पर होगा। इसके अलावा Water Adventure के तहत वॉटर फेस्टिवल, एको फेस्टिवल जैसे आयोजन और पर्यटकों के लिए नई गतिविधियाँ प्रारम्भ की जा रही हैं। Air Adventure के अन्तर्गत पहली बार बच्चों को पैराग्लाइडिंग के कोर्स कराए जा रहे हैं, ताकि आगे चलकर वे टैंडम पायलट्स बनकर पर्यटन की नई ऊँचाइयों को छू सकें। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड पर्यटन द्वारा युवाओं के लिए प्रशिक्षण की भी विशेष व्यवस्था की जा रही है। थल अभियानों में बेसिक एवं एडवांस कोर्स हेतु युवाओं को स्पॉन्सरशिप दी जा रही है।

सम्पादकीय

गुणवत्ता पर सवाल

सम्पादक – देवेन्द्र जौहरी

भारत दुनिया का सबसे बड़ा जेनेरिक दवाओं का निर्यातक है, जो विकासशील देशों की अधिकांश चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करता है। लेकिन यह आरोप कि इसकी दवाओं ने गाम्बिया जैसी त्रासदी पैदा की है और उज़्बेकिस्तान तथा अमेरिका जैसे अन्य देशों में भी विनिर्माण पद्धतियों और गुणवत्ता मानकों पर सवाल खड़े किए गए। तब भारत ने कंपनियों के लिए निर्यात से पहले कफ सिरप के नमूनों की सरकारी अनुमोदित प्रयोगशालाओं में जाँच अनिवार्य करने जैसे कदम उठाए थे। मार्च 2023 में समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष में भारत ने 25.4 अरब डॉलर (20अरब) मूल्य की दवाइयाँ निर्यात कीं। इनमें से 3.6 अरब डॉलर अफ्रीकी देशों को निर्यात की गईं।

आरबीआई की ओर से हुआ वित्तीय साक्षरता शिविर आयोजित

पौड़ी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से वित्तीय साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं और शिक्षाविदों को वित्तीय प्रबंधन से जुड़ी तकनीकी जानकारियां दी गईं। विकासखंड यमकेश्वर के जीआईसी गंगा भोगपुर में आयोजित शिविर में आरबीआई देहरादून के लीड डेवलपमेंट अफसर भारत आनंद ने शिविर के उद्देश्यों व वित्तीय सारक्षता की जानकारी दी।

करंट लगने से युवा हाथी की मौत

हरिद्वार। हरिद्वार डिवीजन में एक और हाथी की मौत हो गई है। मामला इसलिए गंभीर है क्योंकि पिछले हफ्ते ही इसी डिवीजन में तीन हाथी विभिन्न कारणों से मृत मिले थे। अब चौथे युवा हाथी की मौत ने डिवीजन की कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बड़ी बात यह है कि एक दिन पहले ही वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने हाथी गणना की रिपोर्ट सार्वजनिक की थी। गणना रिपोर्ट के 24 घंटे के भीतर हाथी की मौत॰ वन विभाग और वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट समेत तमाम फॉरेस्ट से जुड़े संस्थान इस बात को लेकर खुश हैं कि देश में पहली बार हाथियों की डीएनए आधारित गणना की गई है। लेकिन हाथियों की संख्या का आंकड़ा सामने आने के बीच हरिद्वार डिवीजन से बुरी खबर सामने आई है। दरअसल, हरिद्वार रेंज के बहादराबाद क्षेत्र में एक युवा हाथी की मौत हुई है। चिंता की बात यह है कि करीब 45 साल के युवा हाथी की मौत करंट लगने से हुई है, जिसको लेकर वन विभाग जांच में भी जुट गया है। हैरानी की बात यह है कि हरिद्वार डिवीजन में ही 26 सितंबर से लेकर अब तक कुल चार हाथी मर चुके हैं। जिसमें यह दूसरा हाथी है, जिसकी मौत करंट लगने से मानी जा रही है। पीसीसीएफ वाइल्डलाइफ आरके मिश्रा ने बताया बहादराबाद क्षेत्र में बिजली के खंभे में मौजूद तार के संपर्क में आने से इस हाथी की मौत हुई है। बिजली के खंभे में लगी सपोर्टिव तार से संभवत हाथी संपर्क में आया और उसके बाद यह खंभा नीचे की ओर झुक गया, जिसके चलते खंभे में लगी वायर के संपर्क में आने के बाद हाथी की मौत हुई है। इस मामले में एक तरफ पीसीसीएफ वाइल्डलाइफ आरके मिश्रा ने हरिद्वार डिवीजन के डीएफओ को गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए हैं तो वहीं कंजरवेटर ऑफ फॉरेस्ट राजीव धीमान को भी बिजली विभाग के लिए सख्ती के साथ पत्र लिखने के लिए कहा हैदूसरी तरफ हाथी की मौत के मामले में हरिद्वार के डीएफओ स्वप्निल अनिरुद्ध का कहना है कि भू-धंसाव के कारण यह खंभा झुक गया था और इसके कारण ही हाथी नीचे झुक खंभे में लगी इलेक्ट्रिसिटी वायर के संपर्क में आ गया। डीएफओ के बयान से साफ है कि बिजली विभाग की तरफ से इस पर समय से काम नहीं होने के कारण दुर्घटना हुई। हालांकि इस पर बिजली विभाग और वन विभाग के संयुक्त रूप से की गई जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि आखिरकार इस दुर्घटना के पीछे किसकी जिम्मेदारी बनती हैबिना अनुमति खेतों में तारें लगाने वालों पर होगी कार्रवाई॰ दरअसल, बिजली के खभों की स्थिति समय-समय पर देखे जाने की जरूरत होती है। लेकिन अक्सर इस पर ध्यान नहीं दिया जाता। इतना ही नहीं, वन क्षेत्र में इन बिजली के खंभे के चारों तरफ सुरक्षा को लेकर भी बिजली विभाग द्वारा कोई व्यवस्था नहीं की गई है। जिसके कारण वन्यजीवों के लिए हर समय इन जगहों पर खतरा बना रहता है। वन विभाग ने बिजली विभाग को भी नियमत ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए लिखा है, जो अपने खेतों में बिजली की तारे बिना अनुमति के लगाते हैं। फिलहाल हाथी के पोस्टमॉर्टम के लिए तैयारी की जा रही है। साथ ही हाथी का विसरा भी भेजा जाएगा, ताकि हाथी की मौत को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सके। घटना के बाद फौरन पीसीसीएफ वाइल्डलाइफ और कंजरवेटर ऑफ फॉरेस्ट शिवालिक मौके पर पहुंचे हैं। साथ ही डीएफओ ने भी घटनास्थल का मौका मुआयना किया है।

भीषण सड़क हादसा: रोडवेज बस ने खड़ी क्रेन से टकराई , मची चीख पुकार

हरिद्वार। जिले के बहादराबाद थाना क्षेत्र में बीती देर रात भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसा बढ़ेड़ी राजपूतान गांव के पास हुआ। बताया जा रहा है कि देर रात उस समय चीख पुकार मच गई, जब हरिद्वार की ओर से आ रही रोडवेज बस ने निर्माणधीन हाईवे पर खड़ी क्रेन में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि आसपास क्षेत्र के लोगों की घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस के साथ मिलकर घायलों को बस से बाहर निकाला। इसके बाद घायलों को पास के हॉस्पिटल में भिजवाया गया। इस घटना में 6 से ज्यादा लोग घायल हुए है। घायलों में तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक 14 अक्टूबर मंगलवार देर रात हरिद्वार से यात्रियों को लेकर उत्तर प्रदेश के मेरठ डिपो की रोड़वेज बस रुड़की की ओर जा रही थी। जैसे ही रोडवेज बस बहादराबाद थाना क्षेत्र के बढ़ेड़ी राजपूतान गांव में नेशनल हाईवे पर पहुंची तो इसी दौरान रोड़वेज बस अनियंत्रित होकर निर्माणधीन हाईवे पर खड़ी क्रेन से टकरा गई। बताया गया है कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और उसके परखच्चे उड़ गए। वहीं हादसा होने के बाद बस में बैठे सवारियों में चीख पुकार मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ने हादसा इतना भयानक था कि देखते ही देखते आसपास के लोग मौके पर दौड़ पड़े और बस के अंदर फंसे ड्राइवर को खिड़की तोड़कर बाहर निकाला गया। राहत की बात ये रही कि ज्यादा सवारियों को गंभीर चोटें नहीं आईं। उधर, हादसे की जानकारी मिलते ही बहादराबाद थाना प्रभारी निरीक्षक अंकुर शर्मा और शांतरशाह चौकी प्रभारी उमेश कुमार लोधी घटनास्थल पर पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया। बहादराबाद थाना प्रभारी निरीक्षक अंकुर शर्मा ने बताया कि इस हादसे में करीब आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं, जिसमें से 3 लोगों की हालत गंभीर बनी हुई हैं। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवा दिया है और क्षतिग्रस्त बस को सड़क किनारे लगवा दिया है, जिससे राहगीरों को किसी तरह की समस्या न हो सके।

लकी ड्रा के साथ संपन्न हुआ सात दिवसीय सैनिक दीपावली मेला

उत्तरकाशी। रामलीला मैदान में सात दिवसीय सैनिक दीपावली मेला लकी ड्रा के साथ संपन्न हुआ। सात दिनों से चल रहे सैनिक दीपावली मेले के आखिरी दिन लकी ड्रा के साथ ही अन्य ढेर सारे इनामों की घोषणा की गई। इसमें तिलोथ सेरा के वंश बिष्ट ने कार और प्रत्यूष ने मोटर साइकिल जीती। विश्वनाथ पूर्व सैनिक कल्याण समिति की ओर से रामलीला मैदान में आयोजित सात दिवसीय सैनिक दीपावली मेले का समापन बीते मंगलवार देर रात को हुआ। इस मौके पर गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान ने पूर्व सैनिकों के कल्याण एवं संस्कृति के संरक्षण के लिए समिति द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सैनिक दीपावली मेला उत्तरकाशी की अलग पहचान बन चुका है। उन्होंने समिति के पदाधिकारियों से मेले के आयोजन को निरंतर जारी रखने का आह्वान किया। समापन पर लकी ड्रा का आयोजन किया गया। इसमें गाजणा पट्टी के हुल्डियाण गांव निवासी मास्टर वंश बिष्ट ने कार जीती। कार जीतने वाले वंश वर्तमान में उत्तरकाशी के नजदीक तिलोथ सेरा में रहते हैं जबकि द्वितीय पुरस्कार के रूप में मातली निवासी प्रत्यूष नौटियाल ने मोटर साइकिल जीती।

एक महान मानवीय कार्य है रक्तदान :प्रो. मीनू सिंह

ऋषिकेश। वर्ल्ड ट्रॉमा वीक के तहत एम्स ऋषिकेश विभिन्न क्षेत्रों में जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। जिसके तहत विभिन्न शिक्षण संस्थानों में स्वास्थ्य जागरूकता मुहिम और रक्तदान शिविर आयोजित किए गए। एम्स के डिपार्टमेंट ऑफ ट्रॉमा सर्जरी एंड क्रिटिकल केयर के तत्वावधान में विभिन्न क्षेत्रों में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुए। जिसका शुभारंभ संस्थान की निदेशक प्रो.मीनू सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान के लिए सभी आगे आएं। यह महान कार्य है। एम्स ऋषिकेश समाज के स्वास्थ्य और आपात सेवाओं को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। ट्रॉमा सर्जरी विभाग के डॉ. मधुर उनियाल ने कहा कि ट्रॉमा के समय सही प्राथमिक उपचार और समय पर रक्त की उपलब्धता, दोनों ही जीवन बचाने में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यह रक्तदान शिविर इसी भावना का प्रतीक है। मुख्य नर्सिंग अधिकारी डॉ. अनीता रानी ने कहा कि प्रत्येक रक्तदाता किसी के जीवन की नई आशा है। लिहाजा रक्तदान ही सच्चा महादान है। इस दौरान एम्स में आयोजित रक्तदान शिविर में 40 लोगों ने रक्तदान किया। इसके अलावा विभिन्न शिक्षण संस्थान जैसे एमआईटी ढालवाला, एनडीएस श्यामपुर, एसडीएम सहित अन्य स्कूलों में बच्चों को रक्तदान व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया।

देवेन्द्र जौहरी
सहसम्पादक
जतिन शर्मा
सहसम्पादक
विक्रान्त शर्मा
कानूनी सलाहकार
जसमहिन्द्र सिंह एडवोकेट

पर्वतीय मैदानी एकता समिति ने मनाया अपने कार्यकर्ताओं के साथ दिपावली मिलन समारोह

हरिद्वार। हरिद्वार के सुभाष नगर की वरिष्ठ नेत्री किरण सिंह के यहां पर्वतीय मैदानी एकता समिति के द्वारा दिपावली मिलन समारोह मनाया गया जिसमें उत्तराखंड राज्य स्थापना के 25वे वर्ष में पर्वतीय मैदानी एकता समिति प्रदेश भर में शहीद सम्मान समारोह आयोजित करेगी जिसमें सभी जिलों में शहीद राज्य आंदोलनकारी परिवारों को सम्मानित किया जाएगा। ये घोषणा पर्वतीय मैदानी एकता समिति के अध्यक्ष पीके अग्रवाल ने हरिद्वार में प्रबुद्ध सम्मेलन में कही है। इस दौरान समिति ने अपनी कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता किरण सिंह को प्रदेश महिला अध्यक्ष डॉ राजेंद्र पाराशर को प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। पर्वतीय मैदानी एकता समिति के अध्यक्ष पीके अग्रवाल ने कहा कि उत्तराखंड के आंदोलन में महिलाओं का अमूल्य योगदान और उनके बलिदान की दास्तान बहुत लंबी है जिसे कुछ मिनट में या एक दो बैठकों में कहना आसान नहीं है। खटीमा गोलीकांड, मसूरी गोलीकांड, रामपुर तिराहा कांड, नैनीताल गोलीकांड, श्री यंत्र टापू श्रीनगर कांड जैसी घटनाओं के कारण आंदोलन का इतिहास जहां बलिदानों से भरा हुआ है वहीँ हमारे 42 शहीदों की शहादत को कोई भुला नहीं सकता है। उन्हीं बलिदानों की बुनियाद पर आज उत्तराखंड राज्य खड़ा है। परंतु बड़ा प्रश्न अभी भी यही है कि वास्तव में अलग उत्तराखंड राज्य की मांग के पीछे जो उत्तराखंड वासियों का उद्देश्य था क्या वह रजत जयंती वर्ष में 25 साल पूरे करने पर भी क्या वह

पूर्ण हुआ है? क्या शहीदों की जो मांग थी वह पूरी हुई है? अलग राज्य बनाने का जो उद्देश्य था क्या हमने उसे पाया है? महिलाओं को, युवाओं को, बेरोजगारों को, व्यापारियों को, पहाड़ के दुर्गम गांव तक शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के साथ साथ नौजवानों, किसानों को जो सुविधाएं मिलनी चाहिए थी क्या वह मिला? आपके सहयोग और समर्थन से मंच इन सभी प्रश्नों का उत्तर खोजेगी और आम नागरिकों के बीच जाएगी जो आज भी सशक्त और समृद्ध उत्तराखंड का सपना देख रहे हैं। क्योंकि शहीदों की आत्मा तभी संतुष्ट होगी जब पर्वतीय मैदानी एकता होगी जब सीमावर्ती गांव से पलायन रुकेगा और जब प्रदेश नशा मुक्त, अपराधमुक्त होगा और जब सौहार्दपूर्ण माहौल में हम सब मिलकर अपने उत्तराखंड को सशक्त और समृद्ध बनाएंगे। आज एक बार फिर आवश्यकता इस बात की है कि हम भाइचारे , एकता और संस्कृति का भाव अपने मन में जगाए एक दूसरे की सहयोग के लिए मिलकर संवाद करें और भाईचारा और एकता बनाए रखने के लिए एकसाथ आगे बढ़े.. क्योंकि उत्तराखंड राज्य बनने के बाद जिस तरह से रोजगार ,शिक्षा, स्वास्थ्य और संसाधनों के अभाव के नाम पर पलायन शुरू हुआ और आज भी जारी है उस पहाड़ की विशेषता के अस्तित्व का संकट पैदा हो गया है। राज्य की सीमाओं पर आज गांव खाली हो रहे हैं और लोग मैदानी जिलों में बस रहे हैं। अध्यक्ष पीके अग्रवाल ने घोषणा करते हुए कहा कि जल्द ही पर्वतीय मैदानी एकता मंच देश भर के अलग-अलग राज्यों और शहरों में बसे प्रवासी उत्तराखंड भाइयों बहनों को जोड़ने का प्रयास भी करेगा और उनसे कहेगा कि वह अपनी माटी से जुड़ने के लिए मेरा गांव मेरा पहचानऔर पर्वतीय मैदानी एकता सम्मेलनजैसे आयोजन करेगा जिससे नई पीढ़ी अपने जड़ों से जुड़कर उत्तराखंड की समृद्ध संस्कृति को जान सके और देश भर में रह रहे उत्तराखंडी भाइयों बहनों और अन्य प्रदेशों के लोगों के बीच भाईचारा और आपसी सौहार्द और भी सशक्त हो सके। क्योंकि हमारे मंच का उद्देश्य है कि न सिर्फ उत्तराखंड के अंदर बल्कि देश भर में रह रहे उत्तराखंडी भाइयों बहनों और मैदानी मूल के लोगों के बीच भाईचारे का यह रिश्ता मजबूत हो। उपाध्यक्ष राजेंद्र पाराशर ने इस दौरान कहा कि गैर राजनैतिक भूमिका निभाते हुए मंच का प्रयास है कि दूर दराज के गांव से पलायन को रोका जा सके वहां रहने वाले लोग अपनी जड़ों से जुड़े देश भर में पहले पर्वतीय मूल्य के लोग मैदानी मूल के लोगों के साथ मिलकर भाईचारे और सौहार्द के साथ सशक्त भारत समृद्ध उत्तराखंड का निर्माण करें यही मंच का मूल उद्देश्य है जिसके लिए पर्वतीय मैदानी एकता सबसे जरूरी है पर्वतीय मैदानी एकता मंच की उपाध्यक्ष अनीता तिवारी ने कहा कि मंच में महिला शक्ति को सबसे ज्यादा प्रतिनिधित्व दिया जा रहा है। किरण सिंह , लक्ष्मी अग्रवाल, अरुणा शर्मा, मीनाक्षी पराशर ऐसी ही समर्पित और सशक्त मातृशक्ति हैं जो पूरे प्रदेश का दौरा कर कार्यक्रमों और बौध्दिक सम्मेलन के जरिए लोगों को जोड़ रही हैं, क्योंकि हमारा मानना है कि जिस तरह से राज्य के निर्माण में , आंदोलन में सफ़लतापूर्वक नेतृत्व और सर्वोच्च बलिदान देने में मातृशक्ति ने बढ़-चढ कर अपना जौहर और साहस दिखाया है, उस साहस और सूझबूझ की जरूरत आज फिर इस प्रदेश को है क्योंकि 25 साल पहले हमने जनआंदोलन से राज्य को बनाया था और अब हमें इस राज्य को अनेकों चुनौतियों से बचाना भी है, संवारना भी है और देश का सर्वोत्तम राज्य भी बनाना है। ऐसे में हमारा मानना है कि मातृशक्ति को उनके अमूल्य योगदान के मुताबिक हिस्सेदारी देकर ही इस लक्ष्य को पूरा किया जा सकता है। कार्यक्रम में जिसमें विशेष रूप से चंद्र नाद पंकज मलिक, सुरेंद्र धीमान, अनील नैयर सभासद सुभाष नगर, राजकुमार यादव राधेश्याम रमेश पाठक, अनील राणा, बीएचईएल से राजकुमार राजेन्द्र मौर्या, प्रदीप सैनी, उमेश पाठक, अवधेश,पुर्वायल जन जागृती संस्थान बंगलेवर मिश्रा, मनोज शुक्ला, अध्यक्ष सनील पाण्डे, महामन्त्री ब्रहमानन्द चौबे रेखा गुप्ता, वरिष्ठ नेत्री कांग्रेस ,ए दलीत स्थान समीती बाबु राम, धुर्व, अध्यक्ष राष्ट्रीय भागवत परिवार कुलवंत सिंह चड्ढा गौ रक्षक सेवा गोरी शंकर, रोहीत चौहान, सुन्दर कुमार रिंगवाल पवन परिहार, राजेश वर्मा, प्रेम चन्द सैनी वरिष्ठ भाजाया नेता, महावीर चौधरी, वरिष्ठ नेता, रोहित कुमार हंसराज सैनी, जगदीश गवत, डॉ हरप्रीत, परमजीत, संतोष रावत, सौरभ, पुर्व व्यपार मण्डल अध्यक्ष सुभाष नगर - संजीव वर्मा, व्यापार मण्डल अध्यक्ष सुभाष नगर ललित सैनी, राजेश कुमार महामन्त्री, अंकीत महामन्त्री, उदय बसल, संयोजक कृष्णा, कार्यवाहक दानवीर गुप्ता, सुशील सैनी, जीतु चौधरी, (युवा नेता कन्हैया लाल गुप्ता, विनोद कुमार सुदेश कुमार, सुरेंद्र ठाकुर वरिष्ठ नेताव्यापर मण्डल में महिला सीमा चौधरी उपअध्यक्ष शान्ती विश्वास, महासचिव पुनम यादव, सचिव दिया चौधरी, अराधाना पाण्डे, रीना यादव, मिथलेस कोशिक, आदि और भी सदस्यगण उपस्थित रहे।

पत्रकारों को संस्कृति के विस्तार में भी योगदान देना चाहिए :डॉ चिन्मय पण्ड्या

हरिद्वार। देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार में शुक्रवार को राष्ट्र निर्माण में मीडिया की भूमिका विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मेलन का शुभारंभ राष्ट्रीय स्वयंसेवक के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले, देसंविवि के कुलपति शरद पारधी, प्रतिकुलपति युवा आइकॉन डॉ चिन्मय पण्ड्या, पूर्व सांसद तरुण विजय सहित अतिथियों ने सामूहिक दीप प्रज्वलन कर किया। दिनभर चले इस सम्मेलन में कुल पाँच सत्र हुए, जिनमें वक्ताओं ने मीडिया को भारत को विकसित बनाने में योगदान देने के लिए आह्वान किया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि मीडिया को सशक्त भूमिका निभाना चाहिए। अपने देश व धर्म की सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास करते रहना चाहिए। राष्ट्र निर्माण में मीडिया की विशेष

भूमिका है। उन्होंने कहा कि स्वाधीनता के समय में भी हमारे नायकों ने मीडिया के कई माध्यमों का उपयोग किया और जन जागरण में मीडिया की उपयोगिता सिद्ध की। पत्रकारों का आवाहन करते हुए उन्होंने कहा कि सभी को अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी के साथ निभानी चाहिए। समाज के सशक्तिकरण व नारी जागरण जैसे विषयों पर अपनी योग्यता का पूरा पूरा उपयोग करते रहना चाहिए। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में युवा आइकॉन डॉ चिन्मय पण्ड्या ने कहा कि पत्रकारों को संवेदनशील होना चाहिए और वे ऐसे खबरों का ही विस्तार करें, जो समाज व राष्ट्र का विकास में सहायक हो। उन्होंने कहा कि आज जिस तरह से असुरता, अनीति, और भ्रष्टाचार ने अपना पैर पसारा है, उसे अब जड से मिटाने का समय आ गया है। प्राच्यम स्टूडियोज के सीईओ प्रवीण चतुर्वेदी, सुदर्शन चैनल के मुख्य संपादक सुरेश चव्हाण, पूर्व सूचना आयुक्त उदय माहूरकर, पूर्व सांसद तरुण विजय आदि ने भी मीडिया की भूमिका पर अपने विचार साझा किया। पांच अलग अलग सत्रों में दिल्ली, बिहार, झारखण्ड, उप्र, उत्तराखण्ड, महाराष्ट्र, मप्र सहित अनेक राज्यों से आए 'मीडिया जगत के प्रतिष्ठित व्यक्तियों, लेखकों, फिल्मकार, पत्रकारों ने मीडिया की भूमिका पर गहन विचार-विमर्श किया। विशेषज्ञों ने इस बात पर बल दिया कि आज के समय में मीडिया केवल सूचना का स्रोत नहीं, बल्कि राष्ट्र को दिशा देने वाला एक सशक्त माध्यम बन चुका है। इस दौरान अखिल विश्व गायत्री परिवार के सैकड़ों स्वयंसेवक सदस्य भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और आयोजन को वैचारिक व सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध किया। देव संस्कृति विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने भी आधुनिक समय में स्पिरिचुअल पत्रकारिता की आवश्यकता पर विशेष चर्चा की। उद्घाटन सत्र के अवसर पर हरिद्वार सहित मुंबई से आये वरिष्ठ पत्रकार अनिल गलगली, अमित नारायण आदि अनेक राज्यों से आये वरिष्ठ पत्रकारों को युवा आइकॉन डॉ चिन्मय पण्ड्या, होसबोले एवं अतिथियों ने सम्मानित कर समाज में उनके उत्कृष्ट योगदान को महत्वपूर्ण बताया।

मुख्यमंत्री धामी ने किया गुप्तकाशी में चतुर्थ सीमांत पर्वतीय बाल विज्ञान महोत्सव का शुभारंभ

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को गुप्तकाशी में चतुर्थ सीमांत पर्वतीय बाल विज्ञान महोत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि सीमांत क्षेत्रों में सुविधाओं और सेवाओं के विस्तार हेतु राज्य में सीमांत क्षेत्र विकास परिषद का गठन किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमांत जनपदों में अब ऐसे नवाचार केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जहाँ आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़ी उपयोगी जानकारी और प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा आयोजित चतुर्थ सीमांत पर्वतीय जनपद बाल विज्ञान महोत्सव के राज्य स्तरीय आयोजन का दीप प्रज्वलित शुभारंभ

किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न जनपदों से आए बाल वैज्ञानिकों के साथ जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक जल संसाधन एवं संरक्षण, आपदा प्रबंधन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा ऊर्जा संरक्षण आदि विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस भव्य आयोजन से सीमांत जनपदों के प्रतिभावान बाल वैज्ञानिकों को नई दिशा और अवसर प्राप्त होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत नवाचार, अनुसंधान और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ छू रहा है। नए भारत की गति और दिशा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के नवाचारों पर निर्भर करेगी। विज्ञान की नई तकनीकों के बल पर आज भारत अंतरिक्ष सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपना परचम लहरा रहा है। देहरादून में देश की पाँचवीं साइंस सिटी बनने जा रही है, जो उत्तराखण्ड जैसे पर्वतीय राज्य के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि जनता को पारदर्शी और प्रभावी सेवाएँ मिलें, इसके लिए अधिकांश सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अवसर पर रुद्रप्रयाग जिले में आपदा प्रबंधन केंद्र के निर्माण के लिए जिलाधिकारी को कार्ययोजना बनाने के निर्देश देने के साथ ही पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय बणसू जाखधार में विभिन्न कार्यों के लिए 5० लाख रुपये देने की घोषणा भी की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पद्मश्री कल्याण सिंह रावत, सीमांत क्षेत्र के उद्यमी इंद्र सिंह रावत और सीमांत सेवा फाउंडेशन के डॉ. पाटनी को सम्मानित करने के साथ ही यूकॉस्ट की रुद्रप्रयाग डैशबोर्ड पुस्तक का विमोचन भी किया। इस जीआईएस आधारित रिमोट सिस्टम डैशबोर्ड पर विभिन्न विभागों की योजनाओं से जुड़ी सूचनाएँ एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगी। चतुर्थ सीमांत पर्वतीय जनपद बाल विज्ञान महोत्सव की थीम – जलवायु परिवर्तन अनुकूलन रणनीतियाँ तथा आपदा जोखिम प्रबंधन एकीकरण है। इसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक जल संसाधन एवं संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा को बढ़ावा देना और ऐसी रणनीतियाँ विकसित करना है।

खाद्य संरक्षा विभाग ने खाद्य पदार्थों के नौ नमूने जांच के लिए भेजे

अल्मोड़ा। दीपावली पर्व को देखते हुए खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने जनपद में मिलावटखोरी पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। सहायक आयुक्त एवं अभिहित अधिकारी (खाद्य संरक्षा) ललित मोहन पांडे ने बताया कि आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तराखंड देहरादून तथा उपायुक्त, कुमाऊं मंडल के आदेशों के क्रम में यह अभियान संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में सल्ट, भिकियासैंण, चौखुटिया, रानीखेत और अल्मोड़ा क्षेत्र में खाद्य प्रतिष्ठानों से विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने जांच हेतु लिए गए हैं। इनमें मावा के दो, चॉकलेट का एक, मिठाई के चार, घी का एक और तेल का एक नमूना शामिल है। अब तक कुल नौ नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2००6 के तहत 21 खाद्य कारोबारियों को नोटिस जारी किए गए हैं। ललित मोहन पांडे ने बताया कि जिन कारोबारियों से संतोषजनक जवाब नहीं मिलेगा या जिन्होंने नोटिस का उत्तर नहीं दिया है, उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान कुल 4० खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में प्रतिष्ठान स्वामियों को उपभोक्ताओं को स्वच्छ एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने और कालातीत या एक्सपायरी उत्पादों को अलग सुरक्षित स्थान पर रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी प्रतिष्ठानों को अपने पंजीकरण या अनुज्ञप्ति प्रमाणपत्र को उचित स्थान पर प्रदर्शित करने के लिए भी कहा गया। सहायक आयुक्त ने बताया कि जनपद में यह कार्यवाही आगामी दिनों में भी लगातार जारी रहेगी। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी विपिन कुमार, अनुसेवक मोहन सिंह लटवाल और ईश्वर सिंह नेगी मौजूद रहे।

समस्याओं का समाधान न होने से पार्षद खफा

ऋषिकेश। नगर निगम में बुधवार को आयोजित बैठक में समस्याओं का समाधान नहीं होने पर पार्षद भड़क गये। यही नहीं उन्होंने अधिकारियों को खरीखोटी भी सुनाई और कई अधिकारियों पर उनकी बातों को नहीं सुनने का भी आरोप लगाया। नगर निगम के जोनल ऑफिस बापूग्राम में सप्ताह में दो दिन बैठकर समस्याएं सुनने और उनका समाधान करने का आश्वासन मिलने पर नाराज पार्षद शांत हुए। बुधवार को नगर निगम ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करने को बैठक बुलाई गई, जिसमें पार्षदों को भी बुलाया गया। बैठक शुरू होते ही पार्षद अधिकारियों से पूछे गए सवालों का सही जबाव न मिलने पर भड़क गये। पार्षदों का कहना है कि ऊपर से फोन आने पर अधिकारी समस्या का तुरंत निदान कर देते हैं, लेकिन पार्षद की शिकायत का निस्तारण नहीं होता है। पार्षद सुरेन्द्र नेगी का कहना है कि ऊर्जा निगम वेडिंग प्वॉइंट, होटल और

अपॉर्टमेंट वालों के लिये ट्रांसफार्मर रोड पर ही लगा देता है। जिससे जाम की समस्या होती है, जबकि ऊर्जा निगम को चाहिए की उनकी जमीन पर ही ट्रांसफार्मर लगाये। जलसंस्थान के अधिकारी नया कनेक्शन लगाने के लिये चक्कर कटवाते हैं। पानी के बिल की समस्या अभी तक दूर नहीं हो पाई है। लोगों को बढ़ाकर बिल भेजे जा रहे हैं। पार्षद लव कांबोज का कहना था कि उनके इलाके में हॉल ही में बनी सड़क तोड़कर पोल खड़े कर दिये गये, जिससे लोग परेशान हैं। पोल लगाने के लिये क्षेत्र के पार्षद और निगम से अनुमति लेनी चाहिए। पार्षद अनिल रावत ने सीवर की समस्या उठाई। उन्होंने क्षेत्र में लोनिवि की क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत न होने पर भी नाराजगी जताई। करीब दो घंटे तक खूब हो हल्ला होता रहा, जिसके बाद मेयर शंभू पासवान और एमएनए गोपाल राम बिनवाल ने पार्षदों को शांत करवाया। इसके बाद बापूग्राम स्थित निगम के जोनल ऑफिस में ऊर्जा निगम, जल संस्थान, सीवर, लोनिवि समेत निगम के अधिकारियों के सप्ताह में दो दिन बैठकर समस्याएं सुनने के लिए सहमति बनी। पार्षदों के साथ फिर बैठक कर सप्ताह में दो दिन तय किये जाएंगे, जिसमें पार्षद अधिकारियों से उनके क्षेत्र की समस्या से अवगत करायेगा। मौके पर मेयर शंभू पासवान, एसएनए चंद्रकांत भट्ट, पार्षद भगवान सिंह पंवार, रामकुमार संगर, सिमरन उप्पल, लव कांबोज, विरेंद्र भारद्वाज, एकांत गोयल, आशु डंग के अलावा ऊर्जा निगम, जल संस्थान, सीवर, लोनिवि के अधिकारी मौजूद रहे।

राज्यपाल देहरादून में आयोजित विश्व मानक दिवस 2025 के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि

देहरादून । राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने मंगलवार को देहरादून में आयोजित विश्व मानक दिवस 225 के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मानक केवल तकनीकी दस्तावेज नहीं, बल्कि विश्वास, पारदर्शिता और गुणवत्ता के प्रतीक हैं, जो विकास और प्रगति की दिशा निर्धारित करते हैं। राज्यपाल ने कहा कि मानक किसी राष्ट्र की गुणवत्ता संस्कृति के द्योतक होते हैं। जब उद्योग मानकों को अपनाते हैं, तो उनके उत्पादों को वैश्विक बाजार में पहचान और विश्वसनीयता बढ़ती है। उन्होंने कहा कि जब नीतिगत ढांचे में मानकों को शामिल किया जाता है, तो योजनाएँ अधिक प्रभावी बनती हैं, और जब समाज मानकीकरण को अपनाता है, तो नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता का स्तर ऊँचा उठता है। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड में प्रकृति, नदियाँ, शुद्ध वायु, हरित वन और जीवंत संस्कृति स्वयं एक आदर्श मानक प्रस्तुत करती है। यहां की भौगोलिक संरचना हमें यह सिखाती है कि विकास के प्रत्येक कदम पर संतुलन, अनुशासन और जिम्मेदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि हमारी योजनाएँ और निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप हों, तो हम पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ सतत विकास के आदर्श भी स्थापित कर सकते हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक
देवेन्द्र जौहरी द्वारा
साप्ताहिक समाचार पत्र
''गुरुकृपा दर्पण'' को
रूद्र प्रिंटिग प्रेस, ई–34,
ओल्ड इड्रस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार
(उत्तराखण्ड) से मुद्रित एवं
एस–3, अशोक विहार कालोनी,
कनखल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
से प्रकाशित।
सम्पादक: **देवेन्द्र जौहरी**
मो. – **9997331129**
E-mail :
gurukripadarpan@gmail.com